ए० पी० सेन मेमोरियल गर्ल्स पी० जी० कॉलेज
संस्कृत विभाग

Department Incharge-

Dr. Richa Mukta,
Associate Professor

9455508192

richa.mukta@gmail.com

ए० पी० सेन महाविद्यालय के कला संकाय में स्नातक विभाग के रूप में संस्कृत विभाग की स्थापना सन् 1955 में हुई थी। संस्कृत विभाग छात्राओं को योग्यता, विवेक और बुद्धि से युक्त बनाता आ रहा है। विभाग ने सदैव संस्कृत भाषा को बढ़ावा देने का प्रयास किया है, जिसका हमारी भारतीय संस्कृति में एक अभिन्न स्थान है।

विभाग की पूर्व (सदस्य) शिक्षिका श्रीमती सुशीला पाण्डेय, डा० दीपाली शर्मा और डा० नीलम रानी श्रीवास्तव ने अनेक वर्षों तक विभाग की सेवा की। वर्तमान में विभाग में एक स्थायी सदस्य हैं डा० ऋचा मुक्ता,जो 2011 में महाविद्यालय परिवार में सम्मिलित हुईं और एसोसिएट प्रोफेसर के पद में कार्यरत हैं। डा० ऋचा मुक्ता संस्कृत साहित्य में एम०ए० हैं उन्होंने उसी क्षेत्र में जे आर एफ उत्तीर्ण कर पी०एच०डी० की है। डा० ऋचा मुक्ता के अनेक शोधपत्र तथा लेख विभिन्न पत्र पत्रिकाओं में प्रकाशित हैं। विभाग में छात्राओं के मार्गदर्शन और सहायता के लिए एक सुव्यवस्थित विभागीय पुस्तकालय है जिसमें छात्राओं को उनके पाठ्यक्रम के अनुरूप समस्त पुस्तकें निर्गत की जाती हैं। छात्राओं के सम्पूर्ण विकास के लिए समय-समय पर विभिन्न शैक्षणिक गतिविधियाँ आयोजित की जाती हैं। छात्राओं को प्रोत्साहित करने और उनके ज्ञान के क्षेत्र को बढ़ाने के लिए प्रतिष्ठित प्रोफेसरों द्वारा अतिथि व्याख्यान की व्यवस्था की जाती है। विभाग की छात्राओं ने निरन्तर शैक्षणिक और पाठ्येतर गतिविधियों के प्रति उल्लेखनीय समर्पण दिखाया है और विभाग को कई पुरस्कार दिलाए हैं। विभाग की छात्राओं का परीक्षा परिणाम शत-प्रतिशत

रहता है और पिछले कई वर्षों से संस्कृत विषय की छात्राओं को ही महाविद्यालय में सर्वोच्च अंक प्राप्त होते हैं।

विभाग से अध्ययन कर चुकी अनेक छात्राएं विभिन्न स्थानों पर सरकारी/प्राइवेट नौकरी में कार्यरत हैं तथा अनेक छात्राएं नेट जे आर एफ भी कर चुकी हैं और कुछ शोधरत भी हैं।

महाविद्यालय के संस्कृत विभाग में चार शोध छात्राएं भी हैं।

1. गज़ाला - भारतीय संगीतशास्त्र द्वारा मनोचिकित्सा: सामवेद के सन्दर्भ में
2. नंदिनी गुप्ता - अथर्वण भैषज्य सूक्तों का समीक्षात्मक अध्ययन: वर्तमान परिप्रेक्ष्य में
3. सन्तकुमारी- हर्षवर्द्धन की कृतियों का दार्शनिक विवेचन: भारतीय ज्ञान परम्परा के परिप्रेक्ष्य में
4. संजना पटेल- कोर्सवर्क जारी

Time Table-

Time & Semester	8:00-9:00 am	9:00-10:00 am	10:00-11:00 am	11:00-12:00 pm	12:00-1:00 pm
BA I (Sem 1 & 2)			Remedial Class (Mon,Tue)	CCR	
BA II (Sem 3 & 4)		CCR	Remedial Class (Wed,Thu)		
BA III (Sem 5 & 6)	CCR		Remedial Class (Fri, Sat)		

विभाग की शैक्षणिक गतिविधियाँ -

महाविद्यालय में प्रत्येक शैक्षणिक सत्र के अंतर्गत विभाग द्वारा विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किए जाते हैं।

- **<u>संस्कृत दिवस-</u>** प्रत्येक वर्ष श्रावण मास की पूर्णिमा को संस्कृत दिवस का आयोजन किया जाता है। इस अवसर पर संस्कृत सप्ताह के अन्तर्गत विभिन्न कार्यक्रम जैसे संस्कृत वस्तु प्रदर्शनी, श्लोक सस्वर पाठ प्रतियोगिता आदि कार्यक्रमों में छात्राएं पूरे उत्साह व जोश के साथ भाग लेती हैं।

- **<u>गीता जयंती-</u>** विभाग द्वारा प्रत्येक वर्ष मार्गशीर्ष माह की शुक्ल पक्ष की एकादशी तिथि को गीता जयंती का पर्व मनाया जाता है। मान्यता है कि इस दिन भगवान श्री कृष्ण ने अर्जुन को गीता का उपदेश दिया था। विभाग द्वारा इस अवसर पर महाविद्यालय/अन्तर्महाविद्यालय स्तर पर गीता श्लोक सस्वर पाठ, निबंध लेखन, संस्कृत गीत गायन आदि प्रतियोगिता आयोजित की जाती है।

- **<u>छात्रा संगोष्ठी</u>**- विभाग द्वारा समय-समय पर विभिन्न विषयों पर आधारित छात्रा संगोष्ठी का आयोजन किया जाता है।

- **<u>संस्कृत वस्तु प्रदर्शनी -</u>** विभाग की छात्राओं द्वारा समय-समय पर विभिन्न वस्तुओं के संस्कृत नामों की सामग्री सहित प्रदर्शनी लगाई जाती है जिससे कि उन्हें खेल-खेल में विभिन्न वस्तुओं के संस्कृत नाम याद हो जाते हैं।

- **<u>पोस्टर प्रतियोगिता-</u>** विभाग की छात्राओं के मध्य पोस्टर प्रतियोगिता भी आयोजित की जाती है।

- **<u>संस्कृत गीत गायन प्रशिक्षण-</u>** हिन्दी गीतों का संस्कृत संस्करण गायन प्रशिक्षण किया गया। तीन दिवसीय कार्यशाला के अन्तर्गत विभाग की छात्रों को संस्कृत गीत गाना सिखाया गया। इसके अतिरिक्त विभाग की छात्रों का साप्ताहिक टेस्ट, ग्रुप डिस्कशन, निबंध लेखन प्रतियोगिता आयोजित की जाती है।

- **<u>संस्कृत सम्भाषण शिविर -</u>**वर्तमान सत्र में विभाग द्वारा छात्राओं के लिए सम्भाषण शिविर आयोजित किया गया यह शिविर केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय नव देहली की प्रशिक्षिकाप्रशिक्षि डा० प्रियंका सिंह द्वारा किया गया।

- **<u>अन्य गतिविधिधियाँ-</u>** क्विज,डिबेट ,ग्रुप डिस्कशन ,पोस्टर कम्पटीशन ,स्लोगन कम्पटीशन , विभिन्न महत्वपूर्ण विषयों पर।

विभागीय सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म-

Syllabus Link- BA Revised Syllabus Effective From July 2024
https://udrc.lkouniv.ac.in/Department/DepartmentDetail/Syllabus?dept=19

Department Youtube Channel-
https://youtu.be/5V32xGnJ_dY?si=S2PCPIgAkG0yBFRu

Department Instagram -
https://www.instagram.com/reel/C-zUavyAiS4/?igsh=YXA0cmZjaHFubW9w

CHARBAGH, LUCKNOW
संस्कृत
दिवस

गीता
जयंती

जयतु संस्कृतं जयतु भारतम्
केन्द्रीयसंस्कृतविश्वविद्यालयेन संचालितं संस्कृत-अध्ययन-केन्द्रम्
Centre for Sanskrit Learning*sponsored by* Central Sanskrit Univers
ए0 पी0 सेन मेमोरियल गर्ल्स पी0 जी0 कालेज, चारबाग, लखनऊ
कार्यक्रमः - संस्कृतसम्भाषणशिबिरस्य उद्घाटनम्
दिनाङ्कः-11 तः 19 सितम्बरपर्यन्तम्
समयः - 12:00 तः 01:00
सर्वेषां स्वागतम्
प्राचार्या /केन्द्राध्यक्षा
प्रो. रचना श्रीवास्तव
विभागाध्यक्ष/केन्द्राधिकारी
डॉ. ऋचा मुक्ता
9455508192
केन्द्रशिक्षिका
डॉ प्रियंका सिंह:
8737919003

Atul Prasad Sen Cultural Club

पर्वो के माध्यम से पर्यावरण की जागरूकता में रंगा एपी सेन कॉलेज

संवाददाता

लखनऊ, 14 अगस्त (नवसत्ता)। ए.पी. सेन मेमोरियल गर्ल्स कॉलेज के संस्कृत एवम समाजशास्त्र विभाग द्वारा आज भारतीय पर्वों में पर्यावरण का महत्व विषय पर एक पोस्टर प्रतियोगिता आयोजित की गई। पोस्टर प्रतियोगिता से पूर्व छात्राओं को भारतीय पर्वों की परम्परा में पर्यावरण के महत्व से भी परिचित कराया गया। समाजशास्त्र विभाग की प्रो.श्वेता तिवारी ने बताया कि प्राचीन काल से ही भारत में पर्वों की गौरवशाली परम्परा रही है। प्रत्येक पर्व ऋतु परिवर्तन के स्वागत के लिए मनाए जाते रहे है। इस परम्परा में पर्वों ओणम,पोंगल,लोहिड़ी,लगभग सभी पर्व पर्यावरण से जुड़े है। आज की युवा पीढ़ी को पर्वों की परम्परा में पर्यावरण की महत्ता बताने के उद्देश्य से यह आयोजन समाजशास्त्र विभाग एवम संस्कृत विभाग द्वारा किया गया। इस प्रतियोगिता में लगभग 25 छात्राओं ने भाग लिया। महाविद्यालय की होती है। छठ, बरगद पूजा, होली,दिवाली आदि सभी त्योहारों में पर्यावरण के महत्व को बताया। भारतीय परंपराओं और पर्वों के विषय में समाजशास्त्र विभाग की डॉ कीर्ति गौड़ ने भी छात्राओं को त्योहारों में पर्यावरण के महत्व कीजानकारी प्रदान की। इस पोस्टर प्रतियोगिता की

एपी सेन गर्ल्स पीजी कालेज में श्लोक गायन प्रतियोगिता का आयोजन

छात्राओं ने शिव तांडव स्तोत्र,महिसासुर मर्दिनी,दुर्गा सप्तशती व गीता के श्लोकों का सस्वर किया पाठ

कार्यालय संवाददाता

लखनऊ। राजधानी के चारबाग स्थित एपी सेन मेमोरियल गर्ल्स पीजी कॉलेज के संस्कृत विभाग द्वारा संस्कृत दिवस के उपलक्ष्य में श्लोक गायन स्पर्धा का आयोजन किया गया। प्रतियोगिता में श्लोक का सस्वर पाठ करना था, जिसमें महाविद्यालय की

कार्यक्रम का शुभारंभ सरस्वती वंदना के साथ हुआ। कार्यक्रम में प्रचार्या प्रोफेसर रचना श्रीवास्तव ने संस्कृत का महत्व बताते हुए कहा कि संस्कृत केवल अध्यात्म,दर्शन,कर्मकाण्ड और साहित्य की ही भाषा नहीं, अपितु ज्ञान विज्ञान की भी भाषा रही है। आर्यभट्ट, वराहमिहिर ,चरक, भास्कर आदि वैज्ञानिकों के मूल्यवान ग्रंथों की रचना संस्कृत में ही हुई है। कहा कि संस्कृत व्यक्तित्व के निर्माण में भी सहायक है। प्राचार्या ने स्वयं भी गीता के श्लोक का सस्वर कंठ पाठ किया। वहीं संस्कृत के प्रति छात्राओं की रुचि

में रहीं। प्रतियोगिता में बीए तृतीय वर्ष की छात्रा संजना तिवारी प्रथम,बीए द्वितीय वर्ष की छात्रा शानू पाठक द्वितीय एवं बीए तृतीय वर्ष की छात्रा आराध्या तिवारी को तृतीय पुरस्कार मिला। प्रतियोगिता में तन्वा सेन, नैन्सी पाठक,कोमल कश्यप,कोमल जैसवार,वैष्णवी कश्यप, नेहा कश्यप आदि ने भी प्रतिभागिता की। सभी छात्राओं का उत्साह बढ़ाने के लिए प्राचार्या द्वारा पुरस्कृत करते हुए प्रमाण पत्र भी प्रदान किया गया। कार्यक्रम के अंत में संस्कृत विभाग की विभागाध्यक्ष डॉ. ऋचा मुक्ता ने प्राचार्या तथा उपस्थित सभी अतिथियों को धन्यवाद ज्ञापित किया। इस अवसर पर महाविद्यालय की

प्रदर्शनी द्वारा संस्कृत को बढ़ावा

संवाददाता

लखनऊ, 18 अगस्त (नवसत्ता)। ए पी सेन मेमोरियल गर्ल्स पी जी कॉलेज के संस्कृत विभाग द्वारा छात्राओं द्वारा संस्कृत प्रदर्शनी लगाई गई। संस्कृत भाषा को जनभाषा बनाने का प्रयास करने के महाविद्यालय की प्राचार्य प्रो रचना श्रीवास्तव ने मां सरस्वती को माल्यार्पण एवं दीप प्रज्वलन करके किया। प्राचार्या स्वयं संस्कृत के प्रति विशेष रुचि रखती है और संस्कृत के समवर्धन के लिए सदैव प्रयासरत रहती है। उन्होंने कहा कि विश्व में वैज्ञानिक भाषा के रूप में प्रसिद्ध संस्कृत भाषा इसका ज्ञान हमारी संस्कृति को सम्प्रेषित करता है। क्रीम को मुखलेपकम, पायल को पादभरणम माउथ फ्रेशनर को मुखफेनकम, साड़ी को शाटिका, पजामा को कटिशुकम मेज को उत्पीठिका, कुर्सी को आसंद: धूपबत्ती को सुगन्ध वर्तिका, गैसचूल्हा को अग्निचूल्लि:,चीनी को शर्करा

हिन्दुस्तान

संस्कृत में लिखे घरेलू सामग्रियों के नाम

लखनऊ। एपी सेन मेमोरियल गर्ल्स पीजी कॉलेज में मंगलवार को छात्राओं ने संस्कृत प्रदर्शनी लगाई। यहां छात्राओं ने रसोई में प्रयोग आने वाली वस्तुएं, मसाले, फल, सब्जियां, वस्त्र, अध्ययन सामग्री व सौन्दर्य प्रसाधन संबंधित सामग्रियों के संस्कृत नामों की जानकारी दी। आयोजन विभाग की शिक्षिका डॉ. ऋचा मुक्ता ने बताया कि प्रदर्शनी देववाणी संस्कृत भाषा को बढ़ावा देने के उद्देश्य से लगाई गई थी।

संस्कृत भाषा हमारी संस्कृति का परिचायक : प्रो रचना श्रीवास्तव

संवाददाता

लखनऊ, 17 अक्टूबर (नवसत्ता) एपीसेन मेमोरियल गर्ल्स पी जी कॉलेज के संस्कृत विभाग द्वारा संस्कृत भाषा को जनभाषा बनाने का प्रयास करने के उद्देश्य से एवं संस्कृत को प्रत्यक्ष विधि से सीखने के लिए छात्राओं में संस्कृत के प्रति रुचि बढ़ाने हेतु डॉ ऋचा मुक्ता के निर्देशन में छात्राओं द्वारा संस्कृत प्रदर्शनी लगाई गई। महाविद्यालय की प्राचार्या प्रो रचना श्रीवास्तव ने इस प्रदर्शनी का उद्घाटन किया। प्राचार्या स्वयं संस्कृत भाषा हमारी संस्कृति का परिचायक है और इसका ज्ञान हमारी संस्कृति को सम्प्रेषित करता है। माउथ फ्रेशनर को मुखफेनकम ,साड़ी को शाटिका ,पजामा को कटिशुकम ,मेज को प्रसाधन सम्बन्धी सामग्री के संस्कृत नामों की जानकारी देने का प्रयास किया गया।

बी ए की संजना तिवारी ,आराध्या तिवारी,शानू पाठक, मान्या, प्रिया,

...वेदन

...ी तिथि

आवेदन

12 बजे

संस्कृत अध्ययन केंद्र के लिए आवेदन का अंतिम दिन आज

जासं • लखनऊ : केंद्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय संस्कृत को बढ़ावा देने के लिए अध्ययन केंद्र खोल रहा है। इसके लिए विश्वविद्यालय की वेबसाइट https://www.sanskrit.nic.in/ पर उपलब्ध फार्म भरकर मंगलवार तक आवेदन किया जा सकता है। कोई भी पात्र

गौतम अदाणी

संगीत का महत्व बताया। छात्रों ने कथक, तबला व भरतनाट्यम की प्रस्तुतियां दी। (जास)

शिक्षक, छात्र-छात्राएं पढ़ सकते हैं संस्कृत

लखनऊ : एपी सेन मेमोरियल गर्ल्स पीजी कालेज चारबाग में केंद्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय नई दिल्ली एवं संस्कृत विभाग की ओर से स्थापित संस्कृत स्टडी सेंटर के अंतर्गत बुधवार को नौ दिवसीय संस्कृत सम्भाषण शिविर का उद्घाटन किया। प्राचार्य प्रो. रचना श्रीवास्तव ने बताया कि इसमें कोई भी गृहिणी, शिक्षक, छात्र-छात्राएं आदि पढ़ सकते हैं। संस्कृत

हिमसंस्कृतवार्ताः - जगदीश डाभी।

केन्द्रीयसंस्कृतविश्वविद्यालयेन संचालितं संस्कृताध्ययनकेन्द्रं ए. पी. सेन मेमोरियल गर्ल्स पी. जी. कालेज, चारबाग, लखनऊनगरे संस्कृतसम्भाषणशिबिरस्य उद्घाटनम् एकादशदिनाङ्के जातम्। अर्थात् 11तः 19 सितम्बरपर्यन्तं चलिष्यति। कार्यक्रमस्य संचालिका डॉ. ऋचा मुक्तामहोदया आसीत् अस्य कार्यक्रमस्य शुभारम्भः

न्यूज डायरी

संस्कृत में लिखे घरेलू सामग्रियों के न

लखनऊ। एपी सेन मेमोरियल गर्ल्स पीजी कॉलेज में मंगलवार को छात्राओं ने संस्कृत प्रदर्शनी लगाई। आयोजन विभाग की शिक्षक डॉ. ऋचा मुक्ता ने किया।

छात्राओं ने रसोई में प्रयोग आने वाली वस्तुएं, मसाले, फल, सब्जि वस्त्र, अध्ययन सामग्री व सौन्दर्य प्रसाधन संबंधी सामग्री के संस्कृ की जानकारी दी गई। कॉलेज की प्राचार्य प्रो. रचना श्रीवास्तव व में भाग लेनी वाली छात्राएं शामिल रहीं। (संवाद)

मुस्लिम युवा भी फहरा रहे संस्कृत की पताक